



**भारतीय रिज़र्व बैंक**  
**RESERVE BANK OF INDIA**

वेबसाइट : [www.rbi.org.in/hindi](http://www.rbi.org.in/hindi)

Website : [www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)

ई-मेल/email : [helpdoc@rbi.org.in](mailto:helpdoc@rbi.org.in)



संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, एस.बी.एस.मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001

Department of Communication, Central Office, S.B.S.Marg, Fort, Mumbai-400001

फोन/Phone: 022- 22660502

20 जनवरी 2022

## भारतीय रिज़र्व बैंक ने संशोधित फैक्ट्रिंग विनियमन अधिनियम, 2011 के तहत विनियम जारी किए।

भारत सरकार ने हाल ही में फैक्ट्रिंग विनियमन अधिनियम, 2011 ("अधिनियम") में संशोधन किया है, जो फैक्ट्रिंग व्यवसाय कर सकने वाली कंपनियों के दायरे को बढ़ाता है। यह अधिनियम व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (ट्रेड्स) को परिचालन दक्षता के दृष्टिकोण से फैक्टर की ओर से केंद्रीय रजिस्ट्री में प्राप्य लेनदेन के समनुदेशन का विवरण को दर्ज करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, यह अधिनियम भारतीय रिज़र्व बैंक को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान करने के तरीके को निर्धारित करने के लिए विनियम बनाने और फैक्टर की ओर से ट्रेड्स द्वारा प्राप्य लेन-देन के समनुदेशन को दर्ज करने के तरीके को निर्धारित करने का अधिकार देता है।

उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित विनियम जारी किए हैं:

- क. [फैक्टर का पंजीकरण \(रिज़र्व बैंक\) विनियम, 2022](#) जिन्हे [14 जनवरी, 2022](#) को जारी [अधिसूचना सं. विवि.विसंअ.080/मुमप्र \(जेपीएस\) - 2022](#) द्वारा जारी किया गया है। (आधिकारिक राजपत्र - असाधारण - भाग-III, खंड 4 में दिनांक 17 जनवरी, 2022 को प्रकाशित)।
- ख. [प्राप्तियों के समनुदेशन का पंजीकरण \(रिज़र्व बैंक\) विनियम, 2022](#) जिन्हे [दिनांक 14 जनवरी, 2022](#) को जारी [अधिसूचना सं. विवि.विसंअ.081/ मुमप्र \(जेपीएस\) - 2022](#) द्वारा जारी किया गया है। (आधिकारिक राजपत्र - असाधारण - भाग-III, खंड 4 में दिनांक 17 जनवरी, 2022 को प्रकाशित)।

उपर्युक्त उल्लिखित विनियमों के प्रावधानों के तहत, 1,000 करोड़ रुपये और उससे अधिक की आस्ति आकार वाली जमाराशि स्वीकार नहीं करने वाली मौजूदा एनबीएफसी-निवेश और ऋण कंपनी (एनबीएफसी-आईसीसी) को कुछ शर्तों की संतुष्टि के अधीन फैक्ट्रिंग व्यवसाय करने की अनुमति दी जाएगी। इससे फैक्ट्रिंग कारोबार करने के लिए पात्र एनबीएफसी की संख्या 7 से बढ़कर 182 हो जाएगी। अन्य एनबीएफसी-आईसीसी भी एनबीएफसी-फैक्टर के रूप में पंजीकृत होकर फैक्ट्रिंग व्यवसाय कर सकते हैं। पात्र कंपनियां उपर्युक्त अधिनियम के तहत पंजीकरण के लिए रिज़र्व बैंक को आवेदन कर सकती हैं। इसके अलावा, व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (ट्रेड्स) के माध्यम से वित्तपोषित व्यापार प्राप्य के संबंध में, प्राप्तियों के समनुदेशन का विवरण 10 दिनों के भीतर संबंधित ट्रेड्स द्वारा फैक्टर की ओर से केंद्रीय रजिस्ट्री के साथ दर्ज किया जाएगा।

**प्रेस प्रकाशनी: 2021-2022/1576**

**(योगेश दयाल)**  
मुख्य महाप्रबंधक